

प्रेषक,

शत्रुघ्न सिंह,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

वरिष्ठ नियोजक,
नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग
देहरादून।

आवास अनुभाग-1

देहरादून, दिनांक 10 सितम्बर, 2007

विषय : वित्तीय वर्ष 2007-08 में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अधिष्ठान के लिये अनुदान सं0-13 लेखा शीर्षक-2217 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष की अवचनबद्ध मदों की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अनुभाग-1 के पत्र संख्या- 599(1)/xxvii(1)/2007, दिनांक 12 जुलाई, 2007 एवं शासनादेश सं0-1646/V-आ0-2007-57(आ0)/07 दिनांक 06.08.2007 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में आयोजनेत्तर पक्ष की अवचनबद्ध मदों के अन्तर्गत **रु0 7.95 लाख (रुपये सात लाख पचानवे हजार मात्र)** की धनराशि, संलग्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की स्वीकृति इस प्रतिबन्ध के साथ प्रदान करते हैं कि मितव्ययिता की मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जायेगा।

2. शासनादेश सं0 689/V-आ0-2007-57(आ0)07 दिनांक 10.4.2007 द्वारा लेखानुदान के माध्यम से स्वीकृत की गयी धनराशि के अनुरूप मद सं0 42-अन्य व्यय के अन्तर्गत रु0 17,000-00 की धनराशि व्यय हेतु निर्वर्तन पर रखी गयी थी किन्तु वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु आवंटित बजट में मद सं0 42 हेतु मात्र रु0 1,000-00 की धनराशि आवंटित की गयी है। अतः उक्त मद के अन्तर्गत मात्र रु0 1,000-00 (रुपये एक हजार मात्र) मात्र की ही धनराशि व्यय किये जाने की स्वीकृति दी जाती है।

2. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यवर्तन अन्य मदों में नहीं किया जायेगा। मासिक व्यय तथा व्यय का व्यय विवरण बी0एम0-8 एवं बी0एम0-13 पर हर माह की 05 तारीख तक शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

3. व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर परचेज रूल्स, मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेश, डी0जी0एस0 एण्ड डी0 अथवा टेण्डर कोटेशन विषयक नियमों एवं तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

4. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार आवश्यक मदों पर ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
5. व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिनमें यह स्वीकृत किया जा रहा है।
6. इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-13, लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनेत्तर 001-निर्देशन तथा प्रशासन-06-नगर एवं ग्राम नियोजन के अधिष्ठान-00- के अन्तर्गत संलग्नकों में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
7. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या संख्या-362/xxvii(2)/2007, दिनांक: 05 सितम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।
संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(शत्रुघ्न सिंह)
सचिव

संख्या: 1731 (i) / V-आ0-2007-57(आ0)/07 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड।
2. प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून
4. वित्त अनुभाग-2
5. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. गार्ड बुक।

आज्ञा से
(गरिमा सैकली)
उपसचिव

शासनादेश संख्या 1931(2) / V-आ0-2007-57(आ0) / 07, दिनांक 10 अगस्त, 2007 का संलग्नक

(धनराशि हजार रुपये में)

क्र० संख्या	मद संख्या	वित्तीय वर्ष 2007-08 में अबचनवद्ध मदों में स्वीकृत धनराशि
01	04- यात्रा व्यय	200
02	05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	44
03	07- मानदेय	50
04	12- कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	100
05	26- मशीनें और साज सज्जा / उपकरण एवं संयंत्र	100
06	27- चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	250
07	42- अन्य व्यय	01
08	45- अवकाश यात्रा व्यय	50
	कुल योग	795

(रुपये सात लाख पचानवे हजार मात्र)

आज्ञा से,
(गरिमा रौकली)
उप सचिव